



दया भाव जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है।

Feelings of mercy bring peace and happiness in life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 201 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 30 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

## महाकुंभ-संगम तट पर भगदड़ 30 लोगों की मौत, 60 घायल



**प्रयागराज (विश्व परिवार)**। महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई है। 90 लोगों को संयम बरतने की आपील की है। उन्होंने कहा- श्रद्धालु संगम पर ही स्नान करने की अस्पताल लगाया गया। जिसमें से 30 लोगों ने दम तोड़ दिया, इनमें से 25 लोगों की शिनाख ही गई है। जिसमें कनाटक के चार, गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत हुई है। 10 लोग घायल हैं। बैरिकइंस टूटने की वजह से भगदड़ हुई।

इधर, प्रशासन ने मौत या घायलों की संख्या को लेकर हादसे के 10 घंटे बाद भी

कोई जानकारी नहीं दी है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम योगी आदिवासी ने लोगों से संयम बरतने की आपील की है। उन्होंने कहा- श्रद्धालु संगम पर ही स्नान करने की न सोचें। गंगा हर जगह पवित्र है, वे जहां हैं उसी तट पर स्नान करें।

**मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये**

सीएम योगी ने भारी श्रीदं को डाकघरों का कारण बताया। उन्होंने कहा कि 25 लाख रुपये मृतकों के परिजनों को दिए जाएं। वह बात करते-करते भावुक हो गए।

## मौनी अनावस्या पर अमृत स्नान 5.5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे



महाकुंभ में तीन शंकराचार्यों ने किया स्नान, नाग साधुओं ने तलवार लहराई; श्रद्धालुओं ने पैरों की धूल बटोरी; हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए।

### भगदड़ और मौतों के बाद बड़े बदलाव

प्रयागराज (एंजेसी)। महाकुंभ का बुधवार को 17वां दिन है। मौनी अनावस्या पर सबसे पहले तीन शंकराचार्यों ने अमृत स्नान किया। इसके बाद साधु-संतों ने छोटे-छोटे ग्रूप में अपने इश्वरों के साथ सांकेतिक रूप से संसाम स्नान किया।

अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशनन्द गिरि महाराज रथ पर निकले। नागा साधुओं ने तलवार लहराई। जयकरि लगाते हुए संगम घाट पहुंचे। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में डुबकी लगाई। हेलिकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। इससे पहले तड़के अखाड़े के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भगदड़ के बाद बदलाव गिरा। रहात बैठकों के बाद श्रद्धालुओं पर पूर्ण रूप से संसाम स्नान किया।

### कबीरधाम (विश्व परिवार)

विश्वधाम महाकुंभ में संगम तट पर भगदड़ और मौतों के बाद बदलाव किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को नो-वीक्ल जोन घोषित कर दिया गया है। सभी वीक्ल पास रुद कर दिए गए हैं। यानी मेले में एक भी जागी नहीं चलेगी। रास्ते के बाबने कर दिया गया है। एक रास्ते से आए श्रद्धालुओं को आन के बाद दूधेरे रास्ते से भेजा जा रहा है। बुधवार सुबह प्रयागराज से रास्ते जिन से आपील की लिए न जाएं। साधु-संतों ने बैठक की। पहले तरह हुआ कि अखाड़े के साधु-संत मौनी अनावस्या पर स्नान नहीं करेंगे।

यहाँ उपरिथित होकर गवर्नर महसूस कर रहा है। उन्होंने सर्व विंदू समाज को जोड़ने के लिए आयोजित विराट हिंदू संगम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

प्रकृति, पेड़-पौधे, भगवान शिव-माता पार्वती, गौरा-गौरी की पूजा करते हैं, उससे बड़ा हिंदू और कौन हो सकता है। इसीलिए हमारे सनातन धर्म को आगे बढ़ावा है, विधिमूर्त्यों के बहावे में नहीं आना है। विष्णु देव साय ने कहा कि बोडल में इस विराट हिंदू संगम योग्यता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसवाचालक मोहन भगवत जी ने की थी और पिछले 13 वर्षों से इसका आयोजन हो रहा है, आज

राजिम कुम्भ कल्प के भव्य आयोजन के विषय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले वर्ष से हमारे धर्मनारी राजिम में कुम्भ कल्प का भव्य आयोजन प्रारंभ किया है। इस वर्ष भी यह आयोजन हवाई स्तर पर विश्वधाम में आयोजित विराट हिंदू संगम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उक बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने यज्ञ में हवन-पूजन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं युश्खलाली की कामाकी की शीरा पर रोक दिया।

सीएम साय ने कहा कि हम लोग कर्म पूजा करते हैं, कमा पूजा का भागवान मानते हैं। हमारी माता-बहनें उपवास रहती हैं, पेड़-पौधे की पूजा करती हैं। जो बैठकर भोजन-प्रसाद ग्रहण किया।

## आदिवासी ही सबसे बड़ा हिंदू : साय

कबीरधाम के बोडल में आयोजित विराट हिंदू संगम में शामिल हुए मुख्यमंत्री



### कबीरधाम (विश्व परिवार)

विश्वधाम महाकुंभ में संगम तट

पर भगदड़ और मौतों के बाद बदलाव किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र

को नो-वीक्ल जोन घोषित कर दिया गया है। सभी वीक्ल पास रुद कर दिए गए हैं। यानी मेले में

एक भी जागी नहीं चलेगी। रास्ते के बाबने कर दिया गया है। एक रास्ते से आए श्रद्धालुओं को आन के बाद दूधेरे रास्ते से भेजा जा रहा है। बुधवार सुबह प्रयागराज से रास्ते जिन से आपील काले वाहनों को दिया जाएगा। शाय 5 बजे के बाद बीच-बीच में एक्सी दी गई है।

सीएम साय ने कहा कि हम लोग कर्म पूजा करते हैं, कमा पूजा का भागवान मानते हैं। हमारी माता-बहनें उपवास रहती हैं, पेड़-पौधे की पूजा करती हैं। जो

बैठकर भोजन-प्रसाद ग्रहण किया।



## इसरो की ऐतिहासिक उड़ान, लॉन्च किया एनवीएस-02

### श्रीहरिकोटा (एंजेसी)

श्रीहरिकोटा (एंजेसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान एनवीएस-02 ने इतिहास रच दिया है। इसरो ने यान जीएसएलवी-एफ-15 के जरिए अपना 100वां मिशन, एनवीएस-02 नेविगेशन सेटेलाइट लॉन्च किया है। दरअसल, जीएसएलवी-एफ-15 रॉकेट ने सुबह 6:23 बजे उड़ान भरी, जिसमें एनवीएस-02 नेविगेशन सेटेलाइट अंतरिक्ष कक्ष में पहुंचाया गया। यह लॉन्च इसरो की एक बड़ी उपलब्धि है, जो देश की

अंतरिक्ष अनुसंधान क्षमताओं को दर्शाती है।

इसरो ने इस महत्वपूर्ण लॉन्च के बारे में एक्स के जरिए जानकारी दी। उन्होंने एक्स से लिखा,

जीएसएलवी-एफ-15 ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी है,

एनवीएस-02 को उसकी निर्धारित कक्ष में ले गया है। इसरो ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, मिशन सफल!

जीएसएलवी-एफ-15/एनवीएस-02 मिशन

सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। भारत अंतरिक्ष

नेविगेशन में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है।

भारत अंतरिक्ष

समाज के लोगों से जीर्णन पर

विभिन्न अंतरिक्ष





# संपादकीय अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

**उंगली टेढ़ी करने  
से परहेज़ नहीं.....**

आतंकवाद के मुद्दे को लकर पाकिस्तान का रक्षा मन्त्री जनाथ सिंह ने नसीहत और चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमू-कश्मीर पीओके के बिना अधूरा है। इस क्षेत्र को आतंकवाद केंद्र के रूप में इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते हुए रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर पीओके के तौर पर करने की बात कही। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस रैली के बोधित करते हुए कहा कि इसकी पक्की जानकारी भारत के पास पाकिस्तान को यह बीमारी खत्म करनी होगी, नहीं तो डॉट-डॉट-डॉट। पीओके के लोगों को सम्मानजनक जीवन से वंचित बनने और धर्म के नाम पर उनका शोषण करने की भी उन्होंने चर्चा की। पीओके के प्रधानमंत्री की टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा यह जिया-उल-हक के समय से पोषित भारत विरोधी एजेंडा हिस्सा है। पीओके यानी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर वेदायानमंत्री अनवर-उल-हक ने बीते हफ्ते जिहादी संस्कृति के अखनूर जीवित करने की घोषणा की है। जिहाद की वकालत करने वाले जिहाद के नारे लगावने के पीछे उनकी मंशा इलाके की शार्टिंग कर स्थिरता को ठेस लगाने की है। भारत-पाकिस्तान विभाग 1965 में अखनूर में ही युद्ध लड़ा गया था। 1948, 1965, 1971 से लेकर 99 तक पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी परंतु उसपैठ की घटनाएं रुकी नहीं हैं। न ही लगातार अंतरराष्ट्रीय दबाव बाबजूद पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देने की नीति छोड़ दी है। सरकार का दावा है कि धारा 370 को हटाने के बाद संघर्षमू-कश्मीर में महत्वपूर्ण बदलाव नजर आ रहा है। राज्य की बुद्धिमत्ता सरकार ने भी लचीला रुख अद्वितीय किया है। सरकार ने इलाके को भारत के माथे के मुकुट का मण बताते हुए लंबे समय से दावा कर रही है कि वह पीओके को वापस लेने के प्रति अधिकारी है। पाकिस्तान का भारत विरोधी रुख किसी से छिपा नहीं है। नीति के प्रति उदासीन इस पड़ोसी मुल्क के पास आंतरिक समस्याओं की इतना अंबार है कि वह अंतरराष्ट्रीय मसलों के प्रति उपेक्षा भाव नपाना रहने को मजबूर लगता है। सैनिकों की हौसलाफार्जाई तक तंत्रिक है परंतु जब उस पर डप्ट काम नहीं करती तो यूं डॉट-डॉट-डॉट-डॉट से हफरे का क्या असर हो सकता है।

आलेख

## सुरक्षित पुनर्वासन के लिए प्रदर्शन

## वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

दिसम्बर 2022 म जाशीमठ म अपन भवना, सड़का, खता म दिखता दरारें, कहीं-कहीं भवनों का तिरछा होता देख तथा पानी के फव्वारे पूर्ते देख भयंकर जाड़ों में भी दिन-रात भारत-चीन के सीमांत नगर जोशीमठ के निवासी सुरक्षित पुनर्वासन के लिए प्रदर्शन में जुटे थे। इसरो की वेबसाइट के अनुसार अप्रैल- नवम्बर, 2022 के बीच धंसाव 8-9 सेमी. था जबकि दिसम्बर 27, 2022 से जनवरी 8, 2023 के केवल बारह दिनों में यह 5-4 सेमी. था। उन्हीं दिनों अन्य नगरों और गांवों से भी जोशीमठ जैसी स्थितियों के उपजने की खबरें आने लगी थीं। तब उत्तराखण्ड सरकार ने जोशीमठ सहित एक दर्जन से ज्यादा नगरों की धारण क्षमता का आकलन करवाने की सार्वजनिक घोषणा की थी। पुनः 2024 में चारधाम यात्रा पड़ावों और प्रमुख पर्यटक स्थलों में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की एक ही दिन में हजारों की भीड़ पहुंचने तथा वाहनों से जाम जैसी समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार ने यात्रा मागरे के पड़ावों और भारी भीड़ से बोझिल नगरों की धारण क्षमता का आकलन करवाने का अपना मंतव्य व्यक्त कर दिया था किन्तु ठोस कार्रवाई न तो 2022 में हुई और न ही 2025 तक भी होती दिखी है। जोशीमठ का परिप्रेक्ष्य जनसंख्या भार और बाहरी आती-जाती भीड़ की बजाय वहां की भूभारीय कमजोरियों का है। जबकि तीर्थ और पर्यटन स्थलों का मामला भीड़भाड़ का है। जोशीमठ की बसावट एक पुराने भूखलन, हिमस्खलन मारेन हिमोड़ के ऊपर है। डेनेज पैटर्न की भी समस्या है। हालांकि स्थानीय 'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति' भूधंसाव और दरारों के लिए एक जल विद्युत परियोजना की कई किमी. की सुरंग और हेलिंग बायपास निर्माण को आज भी जिम्मेदार मानती है। निस्संदेह उत्तराखण्ड के पर्वतीय नगर और गांवों की धारण क्षमता के आकलन की आवश्यकता है परंतु इसके लिए सरकार और आम जन में भी एक समग्र समझ पैदा होना जरूरी है। धारण क्षमता आकलन प्राथमिक समाधान की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि वहनीय क्षमता की लक्षण रेखा को लांबने के जोखियों के संदर्भ में सचेत होने की प्रक्रिया है। धर्मग्राम क्षमता जन कर तब फैलता है जब दम उसके

प्रति संवेदित हों किन्तु पिछले दो सालों से स्मरण कराया जा रहा है कि दिल्ली से देहरादून का सफर अब सात की जगह दो घंटे का होने वाला है। देहरादून से मसूरी और वहां से होते हुए पर्यटन और तीर्थस्थलों तक पहुंचने में जाम न लगे, पाकिंग में भी दिक्कत न हो, इसके लिए सुर्गों प्रस्तावित हैं। ऋषिकेश से टिहरी बांध झील तक सफर दो घंटे कम हो जाए, इसके लिए भी कई किमी. की सुरंग बनेगी। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के हवाले से एक समाचार था कि गंगोत्री और यमुनोत्री को जोड़ने वाली उत्तराखण्ड की सबसे लंबी सुरंग बनाई जानी है। साढ़े चार किमी. लंबी यह राह तीन साल में एक हजार करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। सैकड़ों किमी. सुरंग जिन गांवों के नीचे जाएंगी उनसे उन गांवों की धारण क्षमता बढ़ी तो नहीं, घटेगी ही। जहां रेलवे सुरंग या जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंग गांवों और के नीचे खोदी गई हैं, उन सब के यही अनुभव हैं। खास बात यह है कि ये प्रस्तावित मेंगा निर्माण उन क्षेत्रों के बीच से होने हैं जो राज्य के दशकों से आधिकारिक चिह्नित इको सेंसेटिव जोन हैं। टिहरी बांध जलाशय निर्माण के साथ ही उत्तरकाशी से आगे तक भागीरथी इको सेंसेटिव जोन अधिघोषित हो गया था। इसमें कई पारिस्थितिकीय प्रतिबंध लगाए गए थे। देहरादून-मसूरी का क्षेत्र निर्माण कायरो के संदर्भ में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में ही इको सेंसेटिव क्षेत्र घोषित कर दिया गया था। अब तो हवाई पट्टियों के निर्माण की भी होड़ लगी है। एक साथ अंडे और मांस पाने के लिए मुर्गी को मारने में भी जब कोई गुरेज नहीं तो धारण क्षमता जान कर भी क्या होगा या फिर इसे जाना ही क्यों जा रहा है। ख्याल यह भी रहे कि भीड़ से बदरीनाथ केदारनाथ जैसी जगहों पर कूड़ा प्रबंधन, खुले में शौच रोकना जैसी समस्या भी हो जाती हैं। जौशीमठ जैसे नगरों के भूगर्भीय कारकों को तो बदला नहीं जा सकता। केवल उन कमजोरियों को और कमजोर न करने की दिशा में सचेत रहना होता है। किसी स्थल की धारण क्षमता को केवल इंजीनियरिंग संदर्भ में मृदा परतों पर किसी निर्माण भार की मान्य परिभाषा से इतर अभी भी भूगर्भीय हलचल में भूकंपकीय और जलवायु बदलावों के दंशों से निरंतर सहम जाने वाले हिमालयी क्षेत्रीय पारिस्थितिकी परिवेश के संसाधनों पर भार से भी जोड़ कर समझें। जहां मानव के वश के बाहर के इन कारणों के कारण धारण क्षमता के संदर्भ में अंतिम रूप से कभी भी कछु कहना संभव नहीं होगा।

કુલદીપ ચંદ અનિહોત્રી

यही मूल अंतर है जिस पाकिस्तान के लोग तो शायद समझ रहे हैं, लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थों के कारण वहाँ के हुक्मरान नहीं समझ रहे। पाकिस्तान के हुक्मरान अपने देश के लोगों को इस्लाम के नाम पर उनकी सनातन सांस्कृतिक चेतना से तोड़ना चाहते हैं। पश्तून इसके लिए तैयार नहीं हैं। न तो झूँड रेखा के इस ओर के पश्तून और न ही उस ओर के पश्तून। यही कारण है कि दशकों तक तालिबान की मदद के बावजूद आज भी पाकिस्तान और अफानिस्तान की तालिबान सरकार आमने-सामने हैं और और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री तालिबान सरकार के विदेश मंत्री से सार्थक बातचीत कर रहे हैं। पाकिस्तान को पश्तूनवली की सांस्कृतिक चेतना को पहचानना होगा। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पश्तून अपने आपको पाकिस्तान की बजाय भारत के ज्यादा नजदीक समझता है अफानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पीछे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रारंभिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफानिस्तान खतरे में पड़ गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफानिस्तान को छोड़ दिया। भी नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठ्यक्रम

An aerial photograph of a large city, likely Tehran, Iran. The foreground is filled with a dense cluster of buildings, mostly residential houses with light-colored roofs. In the background, a more modern area with taller apartment buildings and office towers is visible against a hazy sky. In the bottom right corner, there is a semi-transparent map of the city's administrative divisions, each colored differently (green, blue, yellow, red, purple) to represent different districts or neighborhoods.

पढ़ाया गया था, उसमें दश का रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफानिस्तान में बना रहे। उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साप्राञ्ज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे पिछे पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फैजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप के अन्य देशों की फैजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रारंभिक हो गई। वह आओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आगिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो 'सैम अंकल' ने पश्तूनों के देश से निकल आने का

The image features a map of the Indian state of Jammu and Kashmir, which is divided into several districts, each highlighted in a different color. This map is superimposed onto a photograph of a sprawling urban area, likely Srinagar, characterized by numerous buildings and hills in the background. The colors used for the districts include shades of green, blue, red, orange, and yellow.

# राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना बहुत जरूरी

भारत डोगरा

समय में जब दुनिया बहुत संवेदनशील दौर से गुजर रही है, हमें विश्व स्तर पर अमन-शांति के प्रयासों में भरपूर सहयोग देना चाहिए, पर साथ में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भी बहुत जरूरी है, और इसके लिए हमें बहुत सावधानी से अपनी राह बनानी होगी। यह एक बहुपक्षीय चुनौती है पर फिर भी यदि संक्षेप में कहें तो ये चार राहें हमारे देश को सुरक्षा और समृद्धि की राह पर ले जाती हैं। पहली राह तो यह है कि राष्ट्रीय एकता को बहुत उच्च प्राथमिकता दी जाए और धर्म, जाति, क्षेत्र, रंग, लिंग आदि हर तरह के भेदभाव को समाप्त किया जाए और सभी लोगों को भारतीय नागरिक के रूप में एक से अधिकार, सम्मान और गरिमा प्राप्त हों। यह सरकारी नीति के लिए और लोगों के व्यवहार, दोनों के लिए जरूरी है कि किसी को सामाजिक विषमता, भेदभाव या अनुचित व्यवहार का अहसास न हो। जिन्होंने ऐतिहासिक स्तर पर बहुत विषमता सही है, उनके लिए संविधानिक स्तर पर जो विशेष लाभ दिए गए वे इस समता के उद्देश्य के अनुकूल हैं, संविधान-सम्मत हैं, और उन्हें भी सम्मान मिलना चाहिए। दूसरी राह यह है कि विभिन्न राजनीतिक दलों और अन्य राजनीतिक-सामाजिक ताकतों में टकराव सीमा से आगे न बढ़े और आपसी मतभेदों के भिन्न विचारों के बावजूद वे बढ़े राष्ट्रीय हितों पर एक-दूसरे से सहयोग ही करते रहें। इसके लिए

जरूरा ह एक एक-दूसरे के विरुद्ध अपमानजनक भाषा या अतिश्योक्ति पूर्ण आलोचना से बचा जाए। लोकतंत्र में तो यह निश्चित है कि विभिन्न राजनीतिक दल और अन्य राजनीतिक-सामाजिक संगठन अपने-अपने विचारों के साथ आगे बढ़ें और एक-दूसरे के विचारों की आलोचना करें। लोकतंत्र का एक बड़ा आधार ही यह है कि ऐसे मतभेद हिंसा और नफरत का रूप न लें और लोकतंत्रिक तौर-तरीकों के आधार पर इन विभिन्न विचारों के बीच बेहतर राह निकाल कर देश आगे बढ़ सके। आज लोकतंत्र में यह भूमिका कई जगह संकटग्रस्त हो रही है। अपने को लोकतंत्र का शिखर मानने वाले पश्चिमी देशों के लोकतंत्र पर भी सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर, कुछ छोटे-बड़े अन्य देशों में मनभेदों और महत्वाकांक्षाओं का टकराव अनियंत्रित हो जाने के कारण गृह युद्ध हो चुके हैं, या हो रहे हैं, जिनमें लाखों निदरेष लोग मारे गए हैं। हम अपने आस-पड़ोस में ही देखें-बांगलादेश और पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल-तो स्थिति चिंताजनक ही नजर आएगी। अतः आवश्यक है कि इन अनुभवों से सबक लेते हुए देश के विभिन्न विचारों वाले राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों की कुछ ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे उनके आपसी टकराव अनुशासन और शालीनता की सीमा में रहें और अनुचित या अवैध तौर-तरीकों का उपयोग एक-दूसरे के विरुद्ध न किया जाए। तीसरा मुद्दा, जो इससे जड़ा हआ है, यह है कि हमें आपसी एकता से तथ कर

लना ह एक हम वदशा ताकता के हाथा म नह खलग। विश्व के जिन देशों में हाल के दशकों में सर्वाधिक विनाश हुआ है, जैसे इराक, अफगानिस्तान, सीरिया, लेबनान, लीबिया, सुडान और सोमालिया आदि, में इस विनाश में सबसे शक्तिशाली विदेशी ताकतों की बड़ी भूमिका रही है। अनेक अन्य छोटे-बड़े देशों में भी इन सबसे शक्तिशाली देशों ने तरह-तरह से अनिश्चय लाने की नीतियां अपनाई, उन्हें कमजोर करने और वहां ऐसे तत्वों को आगे बढ़ाने की कोशिश की जो इन शक्तिशाली देशों का साथ दे सकते हों। इन देशों में यदि ऐसी सरकारें हैं जो बड़ी शक्तियों की मनमानी में बाधा हैं तो इन सरकारों को कमजोर या अस्थर करने या हटाने तक के प्रयास इन सबसे शक्तिशाली देशों ने किए। अतः इस बारे में हमारे देश में व्यापक एकता बननी चाहिए कि जहां तक बाहरी ताकतों के नापाक इरादों और साजिशों का सवाल है, तो उनका सामना हम एकता से करेंगे। यह देशभक्ति की ऐसी राह है, जिसे हमें कभी नहीं छोड़ना है। चौथी राह यह है कि हमें देश और दुनिया के मूल सिद्धांतों के रूप में अमन-शांति, न्याय और समता, पर्यावरण की रक्षा और सभी जीवों के प्रति करुणा को स्वीकार कर लेना चाहिए। हां, विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के लिए इन सिद्धांतों की व्याख्या अलग हो सकती है और सभी के अपने रीत-रिवाजों और लोकतांत्रिक अधिकारों का तो सम्मान करना ही पड़ेगा। अपने-अपने विचारों और सोच के आधार पर भी विभिन्न व्यक्ति और संगठन इन

# खेल के लिए नकली खेल सामान नहीं चाहिए

ਮ੍ਰਿਦੁ ਮੁਖ ਵਿਗਨ

खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वे ऐसे क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनमा देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढ़िया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढ़िया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थीं, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्लै फैल्ड तक में काफ़ी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की कालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीदारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस



चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को पिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से

के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुकेबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखा जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदें जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्लॉटिल्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।



### संक्षिप्त समाचार

#### संदिग्ध हालत में मिला एक युवती का शव

बालोद(विश्व परिवार)। बालोद जिले के ग्राम नर्सटोला से सनसनी खेज मापला समाझे आया है। जहां एक युवती की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर के कर्मचारी में मिली। इस घटना की जानकारी लगते ही पुरे गांव में सनसनी फैल गई है। परिजनों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची डॉडी थाना पुलिस ने मां कायम कर युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं फॉर्मारिस्क टीम को भी मौके पर बुलाया गया है जो मामले की जांच कर रहे हैं। मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद हैं। मृतक युवती का नाम धनेश्वरी यादव (उम्र 21 साल) बताया जा रहा है। जब धनेश्वरी के परिजन सोकर उठे तब उन्हें एक कर्मचारी में उसकी लाश मिली। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मृतक के शव पर गले में छोट के निशान मिले हैं, जिसे देखते हुए परिजनों ने उसकी हत्या की आशका जाता है। फिलहाल मृतक के शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

#### कलयुगी मां ने अपनी मासूम बच्ची को मंदिर में छोड़ा

धमतरी(विश्व परिवार)। सोमवार को एक महिला अपनी बच्ची को धमतरी शहर के गणेश मंदिर में छोड़कर गायब हो गई। मंदिर के पुजारी का ध्यान बच्ची पर गया तो उसने पुलिस को खबर दी, बच्ची की ओर ढाई से तीन साल के आसपास बाई जा रही है। कुछ देर तक मुहल्ले वालों ने बच्ची को संभाला, जिसके बाद पुलिस ने बच्ची को बाल कल्याण समिति को सौंप दिया है। मंदिर में लगे सीसोटीटी में यह घटना कैद हो गई है। पुलिस महिला की तलाश में जुटी हुई। जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह 11:30 बजे रोजाना की तरह भक्त गणेश मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे हुए थे। इसी दौरान एक महिला बहां पहुंची और अच महिलाओं से यह कहते हुए निकल गई कि 5 मिनट में आ रही हूं दूसरी का ध्यान रखना। उसके बाद उसने जिन मिनट में पूजा अर्चना की तरह भक्त गणेश मंदिर के लिए पहुंचे हुए थे। इसी दौरान एक महिला बहां पहुंची और अच महिलाओं से यह कहते हुए निकल गई कि 5 मिनट में आ रही हूं दूसरी का ध्यान रखना। उसके बाद उसने जिन मिनट में पूजा अर्चना की तरह भक्त गणेश मंदिर के लिए पहुंचे हुए थे। इसके बाद मंदिर के पुजारी ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

#### मेला स्थल पर हंगामा करने वाले युवक गिरफ्तार

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले की थाना चारामा पुलिस ने मेला स्थल पर हंगामा करने वाले 04 युवकों को गिरफ्तार किया है। अपेक्षियों ने ज्ञाता ज्ञानाने की बात को लेकर हंगामा किया था। मिली जानकारी के अनुसार नगर चारामा में दिनांक 26.01.25 से वार्षिक मेला प्रारंभ हुआ है जहां पर थाना चारामा पुलिस द्वारा ड्यूटी लगाया जा रहा है। उसके अनुसार निरंतर गस्त पेट्रोलिंग किया जा रहा है दिनांक 27.01.25 को मेला स्थल पर मीना बाजार में लगे ज्ञाता के पास ज्ञाता ज्ञानाने की बात पर 04 युवकों द्वारा के ज्ञाता ज्ञानाने की बात पर 04 युवकों द्वारा के ज्ञाता ज्ञानाने की बात को लेकर हंगामा करने लगे जिन्हे मौके पर पुलिस द्वारा समझाया गया जो आक्रोशित होकर पुलिस के सामने ही ज्ञाता संचालक से बाद विवाद करने लगे जिनको हिरासत लिया गया जिन्होंने अपना नाम अमन नाग नाम पिता संतोष नाग 20 साल निवासी बाजारपारा चारामा, योगेन्द्र तारम पिता दिलीप तारम उम्र 22 साल निवासी नाकारार, जोगेन्द्र ध्रुव पिता हीरालाल उम्र 23 साल निवासी भूलनदड़ी थाना ऊरुर जिला बालोट तथा भारीशी ध्रुव पिता को मूल ध्रुव उम्र 21 साल निवासी सिहाद भरवारा जिला धमतरी बताते हुए हमरा क्या कर लोगों बोलकर शांत भाँग करने लगे जिनको जिसे समझाने का प्रयास किया गया जो नहीं मान रहे थे जिसे गिरफ्तार किया गया एवं उसके खिलाफ धरा 170 बीएनएसएस, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधित करने के लिए इस्तगांश तैयार कर एसडीएम न्यायालय चारामा में पेश किया गया।

#### धान खरीदी केंद्र में घुसा दंतेल

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में हाथियों का आतंक और दहशत अनवरत जारी है। यहां के सीधारी धान खरीदी केंद्र कुदमुरा में अचानक एक दंतेल हाथी के बीती रात घुस जाने से वहां तेनात कर्मचारी भयभीत हो गए। तकलाल मंडी में हाथी के आने से सूचना बन गया तो दी गई जिस पर मौके पर पहुंचकर बन विभाग की टीम ने हाथी को खेडेंगे की कायमबाही की। खेड़े जाने पर हाथी ने जंगल का रुख किया। उसके बाद कर्मचारी दंतेल हाथी को लेकर पहुंचकर विभाग के बाद दंतेल हाथी को लेकर पहुंच गया। दंतेल ने वहां पहुंचते ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथी को मंडी में अचानक देख वहां तेनात कर्मियों में हड्डीपंच मच गया। मंडे डर के बाद एक स्थान पर छिपे और बन विभाग को सूचना दी। जिस पर बन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और उत्पात मचा रहे दंतेल हाथी को खेडेंगे को कायमबाही की। धान खरीदी केंद्र से जान से पहले दंतेल ने वहां रखे धान की 4-5 कट्टी को क्षतिग्रस्त करने के साथ धान को भी चट कर दिया।

## स्थानीय चुनाव और सरकारी योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बैमेतरा(विश्व परिवार)। कलेक्टर राजीव शर्मा ने आज मंगलवार को कलेक्टरोरेट के दिशा सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और प्राप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने शासकीय योजनाओं के क्रियावर्तन की समीक्षा की और लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को जनहित से जुड़ी शिकायतों के त्वरित नियाकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी स्थानीय निवाचन के मैदान जरूर सभी संबंधित अधिकारियों को आइन आचार अधिकारी विभाग के मैदान जरूर संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परिजनों के निर्देश दिए हैं।



होने के बाद किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि या सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने निवाचन के दौरान सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अपने कार्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने आगामी स्थानीय निवाचन में उन्हें दिए गए दायित्व का लिए जिला स्तर पर अवगत रहें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस समारोह के कार्यक्रमों को समीक्षा और योजनाओं का पालन करने के लिए सभी जिले का जाए। कलेक्टर ने नियमित विभागों की प्रगति की समीक्षा भी होनी चाहिए। उन्होंने एकांकीय विभागों के नियमित विभागों के समान समय पर और नियंत्रित गुणवत्ता से समाप्त करने के लिए उन्होंने एकांकीय विभागों को आइन आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जाए। कलेक्टर ने नियंत्रित विभागों को समान समय पर और नियंत्रित गुणवत्ता से समाप्त करने के लिए उन्होंने एकांकीय विभागों की प्रगति की समीक्षा भी होनी चाहिए।

के बारे में जानकारी मार्गी, ताकि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति लाई जा सके। उन्होंने अधिकारियों से समय-सुनिश्चित तरीके से फाइलों के निपटारे के निर्देश दिए। खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने चावल संग्रहण की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुनिश्चित करें कि सभी गोदामों में पर्याप्त मात्रा में चावल सुरक्षित रूप से जमा हो। कलेक्टर राजीव शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को नियंत्रित करें कि वे समय पर कार्यालय पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियों का नियंत्रित करने के लिए उन्होंने कहा कि कायार्नायक विभागों का पालन करने के लिए उन्होंने एकांकीय विभागों के नियमित विभागों के समान समय पर और नियंत्रित गुणवत्ता से समाप्त करने के लिए उन्होंने एकांकीय विभागों की प्रगति की समीक्षा भी होनी चाहिए। उन्होंने एकांकीय विभागों के समान समय पर और नियंत्रित गुणवत्ता से समाप्त करने के लिए उन्होंने एकांकीय विभागों की प्रगति की समीक्षा भी होनी चाहिए।

## मां मातंगी के धाम में बगलामुखी के महायज्ञ ने बनाया विश्व रिकॉर्ड नियमित हेलमेट पहनने वाले व्यक्तियों को किया जाएगा सम्मानित : कलेक्टर

रायपुर। मां मातंगी दिव्य धाम जी जामगांव अधनपुर में 27 तारीख से 29 जनवरी तक चलने वाले मां बगलामुखी महायज्ञ ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। मां बगलामुखी के सिद्ध यंत्र के समान पूर्वी पर हवनकुण्ड का मंत्रों के द्वारा सिद्ध करके 11 हजार किलों लाल मिर्च से मां बगलामुखी के यज्ञकंड में आहुति देकर देश-विदेश से आ हजारों श्रद्धालुओं के द्वारा लगातार इस विश्वाल महायज्ञ में शामिल होकर अपने जिवन को खुशलाल बनाने का काम किया गया। मां मातंगी दिव्य धाम में पूर्ण हुए 3 दिवसीय मां बगलामुखी महायज्ञ में प्रयुक्त हुई हवन सामग्री में लाल मिर्च, हल्दी, सरसों, नीम की लकड़ी, बबूल की लकड़ी अतिरिक्त धामग्रामी के रूप में प्रयुक्त हुई हवन सामग्री में लाल मिर्च, हल्दी, सरसों, नीम की लकड़ी, बबूल की लकड़ी अतिरिक्त धामग्रामी के रूप में प्रयुक्त हुई हवन सामग्री में लाल मिर्च, हल्दी, सरसों, नीम की लकड़ी, बबूल की लकड़ी अतिरिक्त धामग्रामी के रूप में प्रयुक्त हुई हवन सामग्री में लाल मिर्च, हल्दी, सरसों, नीम की लकड़ी, बबूल की लकड़ी अतिरिक्त धामग्रामी के रूप में प्रयुक्त हुई हवन सामग्री में लाल मिर्च, हल्दी, सरसों, नीम की लकड़



